बिहारी जी के दर पे, जाता जो एक बार , उसके लिए खुल जाते हैं वैकुंठ के भी द्वार

बिहारी जी के दर पे , जाता जो एक बार ,
उसके लिए खुल जाते है , वैकुंठ के भी द्वार ,

कुंज गली में बेठे , बांके बिहारी ,
महिमा उनकी है , सबसे न्यारी ,
कुंज गली में बेठे , बाके बिहारी ,
महिमा उनकी है , सबसे न्यारी ,
जो भी जाता दर पे , हो जाता भव से पार ,
उसके लिए खुल जाते है , वैकुंठ के भी द्वार ,

बिहारी जी के दर पे , जाता जो एक बार ,
उसके लिए खुल जाते है , वैकुंठ के भी द्वार ,

चाहे वो राजा हो , या हो भिखारी ,
सब पे कृपा करते, बाके बिहारी ,
चाहे वो राजा हो , या हो भिखारी ,
सब पे कृपा करते, बांके बिहारी ,
पल भर में ही सबकी , नय्या लगाते पार ,
उसके लिए खुल जाते है , वैकुंठ के भी द्वार ,

बिहारी जी के दर पे , जाता जो एक बार ,
उसके लिए खुल जाते है , वैकुंठ के भी द्वार ,

बिन मांगे वो , सब कुछ देते है ,
भक्तो की खाली झोली, वो भर देते है ,
बिन मांगे वो , सब कुछ देते है ,
भक्तो की खाली झोली, वो भर देते है ,
अपने भक्तो पर वो , लुटाते है भंडार,
उसके लिए खुल जाते है , वैकुंठ के भी द्वार ,

बिहारी जी के दर पे , जाता जो एक बार ,
उसके लिए खुल जाते है , वैकुंठ के भी द्वार ,

Bhajan Lyrics - Jay Prakash Verma, Indore

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36273/title/bihari-ji-ke-dar-pe-jaata-jo-ek-baar--uske-liye-khul-jate-hai-vaikunth-ke-bhi-dwar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |